अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 353 | श्री विजय पुरम, बुधवार, 31 दिसम्बर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा द्वीपों में प्रथम ध्वजारोहण की 82वीं वर्षगांठ मनाई गई

माननीय उप राज्यपाल ने फ्लैग प्वाइंट पर आयोजित समारोह में फहराया तिरंगा

श्री विजय पुरम, 30 दिसम्बर

नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में प्रथम ध्वजारोहण की 82वीं वर्षगांठ आज मनाई गई। यह घटना भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है जब द्वीपों पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था, जो देश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता और एकता की भावना का प्रतीक था।

माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी, एडमिरल डी.के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.) ने आज श्री विजय पुरम के साउथ प्वाइंट स्थित फ्लैग प्वाइंट पर आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। इस अवसर पर डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस), मुख्य सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, श्री एच.जी.एस. धालीवाल (आईपीएस), पुलिस महानिदेशक, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, श्री संजय कुमार सिन्हा (आईएफएस), प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अध्यक्ष, श्री प्रकाश अधिकारी, दक्षिण अंडमान ज़िला परिषद, एसवीपीएमसी के पार्षद, प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और आम जनता उपस्थित थे।

यह स्मरणोत्सव भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की स्थायी विरासत की मार्मिक याद दिलाता है। इन्हीं द्वीपों पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने दिसंबर, 1943 में अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को औपनिवेशिक शासन से मुक्त पहला भारतीय क्षेत्र घोषित किया था और तिरंगा फहराया था। यह वार्षिक आयोजन नागरिकों के बीच देशभक्ति और सामूहिक गौरव की भावना को प्रेरित करता है और स्वतंत्रता एवं एकता के उन मूल्यों के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है जो भारत को एक राष्ट्र के रूप में परिभाषित करते हैं।

तीखे व्यंग्य और हास्य से भरपूर हास्य कवि सम्मेलन ने प्रदर्शिनी मैदान में उपस्थित लोगों को गुदगुदाया

श्री विजय पुरम, 30 दिसम्बर

राजभाषा विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा यहां चल रहे द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 के भाग के रूप में आज प्रदर्शिनी मैदान में आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में बुद्धि, व्यंग्य और हास्य से ओत–प्रोत कविताओं की धूम रही। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए, जिन्हें हार्दिक हंसी की एक शाम का आनंद मिला, क्योंकि मुख्यभूमि के प्रसिद्ध हास्य कवियों ने अपनी हास्य और विचारोत्तेजक रचनाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कवि सम्मेलन का कुशल संचालन सुप्रसिद्ध कवयित्री शैलजा सिंह ने किया। प्रमुख कवि चेतन 'चर्चित', विभोर चौधरी और सुंदर कटारिया ने सामाजिक जीवन, व्यंग्य, आधुनिकता और देशभक्ति पर आधारित कविताएँ प्रस्तुत कीं।

तीक्ष्ण बुद्धि और आकर्षक वर्णन से भरपूर उनके प्रदर्शन ने दर्शकों को पूरी शाम हँसी की गड़गड़ाहट से लोटपोट कर

शेष पृष्ठ 4 पर

चौथे दिन द्वीप पर्यटन महोत्सव ने विविध गतिविधियों से लोगों का खूब मनोरंजन किया

श्री विजय पुरम, 30 दिसम्बर

यहां के वीआईपी रोड स्थित प्रदर्शनी मैदान विविध गतिविधियों से गुलज़ार था क्योंकि उत्सव का माहौल ज़ोर पकड़ रहा था, यह द्वीप पर्यटन महोत्सव का चौथा दिन था। कार्यक्रम स्थल पर उल्लास का माहौल देखा गया, क्योंकि लोग शाम का आनंद लेने और स्टॉल लगाने के लिए क्षेत्र में उमड़ पड़े। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्वाह्न में 'स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें माता–पिता की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो अपने बच्चों को शो में लेकर आए थे। मंच से कुछ ही दूरी पर, गरमागरम नमकीन बेचने वाले स्टालों से निकलने वाली सुगंध ने भीड़, विशेषकर आगंतुकों, खाने के शौकीनों को आकर्षित किया। द्वीप पर्यटन महोत्सव ने अपने उद्घाटन के बाद से आगंतुकों को भोजन से लेकर नृत्य, गाने और मज़ेदार खेलों तक विभिन्न प्रकार के मनोरंजन का आनंद दिया। लोगों को प्रदर्शित वस्तुओं और हस्तशिल्प बेचने वाले विभिन्न स्टालों पर भी जाते देखा गया। आम जनता की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विभागीय स्टॉल लगाए गए हैं और कई लोगों को स्टॉलों पर जाकर योजनाओं के बारे में पूछताछ करते देखा गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के 4 फास्ट इंटरसेप्टर बोट्स हेतु एएमसी को अंतिम रूप दिया गया

श्री विजय पुरम, 30 दिसंबर

तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा समुद्री परिसंपत्तियों की निरंतर परिचालन तत्परता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने 12–टन के 4 फास्ट इंटरसेप्टर बोट्स (एफआईबी) के लिए समग्र वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध को नामांकन आधार पर मैसर्स गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), कोलकाता के साथ अंतिम रूप दिया है। यह अनुबंध कमोडोर समीर बेरा (सेवानिवृत्त), एजीएम, जीआरएसई तथा श्री हरगोबिंदर सिंह ढालीवाल (आईपीएस), पुलिस महानिदेशक, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

उक्त 12–टन फास्ट इंटरसेप्टर बोट्स वर्ष 2010–11 के दौरान गृह मंत्रालय द्वारा संचालित तटीय सुरक्षा योजना (सीएसएस) चरण–1 के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार पुलिस को उपलब्ध कराई गई थीं। इन पोतों का अभिकल्पन, निर्माण एवं आपूर्ति मैसर्स जीआरएसई, जो कि रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, द्वारा की गई थी। पूर्व में इन

शेष पृष्ठ 4 पर

अस्टीनाबाद और ब्रुक्शाबाद में अतिक्रमण से मुक्त कराई गई 4,500 वर्ग मीटर सरकारी भूमि

श्री विजय पुरम, 30 दिसंबर

सामुदायिक स्थलों के संरक्षण एवं सार्वजनिक संपत्ति के विधिसम्मत उपयोग को सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों के तहत, दक्षिण अण्डमान ज़िला प्रशासन द्वारा विगत कुछ दिनों से सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए अतिक्रमण से सरकारी भूमि को पुनः मुक्त कराया जा रहा है।

आज अस्टीनाबाद एवं ब्रुक्शाबाद गांवों में एक प्रमुख अतिक्रमण बेदखली अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान राजस्व अधिकारियों द्वारा अस्टीनाबाद गांव में सरकारी भूमि पर लगाए गए बाड़ तथा चार अस्थायी संरचनाओं एवं ब्रुक्शाबाद गांव में दो अस्थायी संरचनाओं को हटाया गया। ज़िला राजस्व प्राधिकारियों द्वारा लगभग 4,500 वर्ग मीटर सरकारी राजस्व भूमि को उसके मूल स्वरूप में पुनः बहाल किया गया है।

निवासियों से कड़ाई से आग्रह किया जाता है कि वे अनधिकृत कब्ज़े से परहेज करें, अन्यथा उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पहल में जनभागीदारी को सुदृढ़ करने हेतु, दक्षिण अण्डमान ज़िला प्रशासन ने अतिक्रमण या अवैध निर्माण की सूचना देने के लिए अनेक माध्यम उपलब्ध कराए हैं।

नागरिक ज़िला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 03192–240127/238881/1070 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा व्हाट्सएप नंबर 9531888844 पर सूचना साझा कर सकते हैं। प्राप्त सभी सूचनाओं को पूर्ण गोपनीयता के साथ निपटाया जाएगा, जिससे सूचना देने वाले व्यक्तियों की निजता सुरक्षित रहेगी। दक्षिण अण्डमान ज़िले के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार आगामी दिनों में यह अतिक्रमण बेदखली अभियान जारी रहेगा, जिससे सरकारी भूमि की सुरक्षा एवं समुदाय के हित में उसके उचित उपयोग को सुनिश्चित करने के प्रति ज़िला प्रशासन की प्रतिबद्धता और सुदृढ़ होगी।

शैक्षणिक भ्रमण व अध्ययन दौरे पर निकोबार ज़िले के 400 विद्यार्थी आज बैरन द्वीप के लिए प्रस्थान करेंगे

कार निकोबार, 30 दिसंबर

निकोबार ज़िले के 400 विद्यार्थियों का एक समूह 31 दिसंबर, 2025 को बैरन द्वीप के लिए शैक्षणिक भ्रमण/अध्ययन दौरे पर रवाना होगा। निकोबार ज़िले के विभिन्न विद्यालयों से आए ये विद्यार्थी–कैंपबेल बे से 100, ननकौड़ी से 148 तथा कार निकोबार से 150–31 दिसंबर को जहाज़ एमवी स्वराज द्वीप द्वारा बैरन द्वीप की यात्रा हेतु श्री विजय पुरम पहुँच चुके हैं। विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं मार्गदर्शन सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ 16 एस्कॉर्ट शिक्षक भी हैं।

शेष पृष्ठ 4 पर

तीखे व्यंग्य और हास्य से भरपूर

——————————पृष्ठ 1 का शेष

दिया। अपने छंदों के माध्यम से, कवियों ने स्वतंत्रता सेनानियों को भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को एक प्रतिष्ठित तीर्थस्थल के रूप में वर्णित किया, अन्यथा हल्के–फुल्के कार्यक्रम में देशभक्ति का उत्साह जोड़ा।

हास्य कवि सम्मेलन में उपस्थित कवयित्री एवं कवियों का परिचय

मध्य प्रदेश के इंदौर के चेतन चर्चित अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि एवं कॉमेडियन हैं। छोटा पैकेट बड़ा धमाका हास्य कवि चेतन चर्चित कम समय मे देश दुनिया सर्वाधिक लोकप्रिय कवियों में से एक हैं। उन्होंने भारत और भारत के बाहर 700 से भी अधिक कवि सम्मेलन लाफ्टर शो में अपनी प्रस्तुति दी हैं। चेतन चर्चित स्टार प्लस के दा ग्रेट इंडियन लाफ्टर शो, दूरदर्शन पर हँसाने का मुखिया कौन, सब टीवी पर चाय पर चुटकुले, ज़ी न्यूज़ पर कवि युद्ध, शेमारू टीवी पर वाह भाई वाह सहित अनेक टीवी चैनलों पर लगातार काव्यपाठ करते रहते हैं। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो को मिलियन ऑफ व्यूज मिलते हैं। युवा चकल्लस सम्मान, यूथ आइकॉन अवार्ड, दिलीप चंचल सम्मान, सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्मृति पुरुस्कार, वैश्य समाज रत्न, उमंग पुरुस्कार, हास्य अल्हड़ सम्मान सहित अनेक सम्मान से सम्मानित हैं।

हरियाणा के गुड़गांव के सुंदर कटारिया अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि एवं स्टेंडअप कॉमेडियन हैं। सुंदर कटारिया 15 सालों से कवि सम्मेलन मंच के जाना पहचाना नाम हैं, भारत और भारत के बाहर सैकड़ो कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ कर चुके हैं। ष्लखमी का कुत्ताष और ''घी खाया'' नाम से पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है, हिन्दी रत्न सम्मान, सहित्य गौरव सम्मान, नवोदित कवि सम्मान, जाट गौरव सम्मान, सुरेंद्र दुबे हास्य गौरव सम्मान जैसे अनेक सम्मान प्राप्त हैं, सब टीवी पर गुड नाईट इंडिया, सोनी टीवी पर इंडियाज लाफ्टर चेम्पियन, शेमारू टीवी के वाह भाई वाह, दूरदर्शन, जनता टीवी, एस टीवी, आकाशवाणी पर अनेक बार काव्यपाठ कर चुके हैं। प्रमुख पत्र, पत्रिकाओं के माध्यम से अनेकों रचनाएं प्रकाशित।

उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फ़र नगर के विभोर चौधरी सुप्रसिद्ध हास्य कवि एवं कलाकार हैं। विभोर चौधरी स्टैंडअप कॉमेडियन और हास्य कवि के तौर पे देश विदेश में 300 से अधिक कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभा चुके है। दूरदर्शन पर हँसाने का मुखिया, सोनी टीवी पर इंडिया लाफ्टर चैंपियन, शेमारू टीवी पर वाह भाई वाह, न्यूज़ 18 पर लपेटे में नेता जी, ज़ी न्यूज़ पर कवि युद्ध में परफ़ॉर्म कर चुके हैं। शेखर सुमन जी का लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम "मूवर्स–शेखर्स" में बतौर लेखक काम कर चुके हैं। पिछले तीन साल से मुंबई में रह कर देश के सबसे बड़े कॉमेडी शोकपिल शर्मा शो के लिए स्क्रिप्ट लेखन का कार्य कर रहें हैं।

उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद की शैलजा सिंह सुप्रसिद्ध कवयित्री एवं गीतकार हैं। आज के इस हास्य कवि सम्मेलन की संयोजिका और संचालिका गाज़ियाबाद की सुप्रसिद्ध कवयित्री एवं गीतकार शैलजा सिंह हिंदी साहित्य जगत की एक प्रतिभाशाली युवा हस्ती हैं। अपनी कविताओं और गीतों के माध्यम से आपने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर विशिष्ट पहचान बनाई है। आप गीत लेखन, कविता लेखन और कहानी लेखन की विधाओं में सक्रिय रहते हुए निरंतर सृजनशीलता का परिचय देती हैं। उनकी रचनाएँ हरिभूमि, दैनिक जागरण, हिंदुस्तान और अमर उजाला जैसे प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई हैं और अभी हाल ही में आपकी पुस्तक "मैं गीतों की जादूगरनी"का प्रकाशन हुआ है जो आपके 91 गीतों की एक संग्रह है। दिल्ली दूरदर्शन सहित विभिन्न राज्यों के दूरदर्शन केंद्रों और आकाशवाणी पर उनके गीतों का प्रसारण हुआ है। साथ ही उन्होनें लोकसभा टीवी और संसद टीवी पर कविता पाठ से साहित्यिक जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्ष 2010 में उन्हें यूथ एक्सलेन्स अवार्डसे सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हेंयुवा पुरस्कारलेखन और सामाजिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। हाल ही में वर्ष 2024 में महिला दिवस के अवसर पर उन्हें वुमेन फेस अचिवमेंट अवॉर्डसे भी सम्मानित किया गया।

चौथे दिन द्वीप पर्यटन महोत्सव ने

——————————पृष्ठ 1 का शेष

इस बीच, द्वीपसमूह और मुख्यभूमि के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर जारी है, जो दक्षिण अण्डमान के साथ–साथ बाहरी द्वीपों के विभिन्न स्थानों में दर्शकों की एक बड़ी भीड़ को आकर्षित कर रहा है।

मरीना एस्प्लेनेड में आज सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत शास्त्रीय, लोक और समकालीन प्रदर्शनों के समृद्ध मिश्रण के साथ हुई। कार्यक्रम में गौरी शंकर शास्त्रीय नृत्य अकादमी और एमजे संगीत अकादमी की प्रस्तुतियाँ हुईं, इसके बाद भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों द्वारा प्रभावशाली कथक गायन किया गया। दर्शकों को ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा जीवंत संबलपुरी नृत्य का आनंद दिया गया। पुलिस एंटरटेनमेंट टीम ने आकर्षक प्रदर्शन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि ड्रीम वर्ल्ड एंटरटेनर ने कराओके के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया। लक्ष्य इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन और ऊर्जावान 'कालापानी बैंड' के प्रदर्शन ने शाम को उत्साहपूर्ण समापन प्रदान किया।

इसके साथ ही, वंडूर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों, गुजरात के कलाकारों द्वारा आदित्य नाट्य अकादमी, झंकार डांस ग्रुप और रास सहित विविध प्रकार के प्रदर्शन शामिल थे। अन्य मुख्य आकर्षणों में बाउल मोन, सरस डांस अकादमी, नाच अकादमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स, स्वराज यूथ क्लब, कराओके के माध्यम से बीआरडब्ल्यू म्यूज़िक विंग और मेलोडी मिक्स और सीतेश लाइव ऑर्केस्ट्रा द्वारा लाइव बैंड प्रदर्शन शामिल थे।

शहीद द्वीप में, जम्मू–कश्मीर के कलाकारों द्वारा एक जीवंत लोक नृत्य की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए, इसके बाद सोल म्यूज़िकल एसोसिएशन द्वारा कराओके प्रस्तुति दी गई।

इसी तरह, स्वराज द्वीप में, दर्शकों ने गीत संगीत म्यूज़िकल ग्रुप के कराओके कार्यक्रम के साथ एसज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा मयूरानृत्यम, थिरा, थेय्यम/मरक्कलट्टम, करागम, ओयिल और थप्पट्टम सहित मनमोहक पारंपरिक प्रस्तुतियां देखीं।

डिगलीपुर में, ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा महामाया/नेताजी–थीम वाले रचनात्मक नृत्य की प्रस्तुति के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, इसके बाद सृष्टि सांस्कृतिक समूह द्वारा कराओके प्रदर्शन किया गया। बहु–स्थल सांस्कृतिक संध्याओं ने भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला और द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 में रंग और जीवंतता जोड़ दी, जिससे दर्शकों को काफी खुशी हुई।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के

——————————पृष्ठ 1 का शेष

एफआईबी का एएमसी जुलाई, 2017 तक सफलतापूर्वक मैसर्स जीआरएसई द्वारा निष्पादित किया गया था। इसके पश्चात खुले निविदा के माध्यम से अनुरक्षण को अंतिम रूप देने के प्रयास सक्षम बोलीदाताओं की अनुपस्थिति के कारण सफल नहीं हो सके। इसके बाद किए गए अंतरिम एवं खंडित मरम्मत कार्य अप्रभावी, महंगे एवं अस्थिर पाए गए। तटीय निगरानी में फास्ट इंटरसेप्टर बोट्स के महत्व को ध्यान में रखते हुए, इन एफआईबी का अनुरक्षण आंतरिक पीएमएफ तकनीकी स्टाफ द्वारा किया जा रहा था। तथापि, द्वीपों में ओईएम स्पेयर एवं स्वामित्व (प्रोप्राइटरी) घटकों की अनुपलब्धता के कारण खरीद में विलंब तथा पोतों के लंबे समय तक अनुपयोगी रहने की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। इस परिप्रेक्ष्य में वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध की आवश्यकता महसूस की गई, जिससे ओईएम स्तर का तकनीकी सहयोग, वास्तविक स्पेयर पार्ट्स की सुनिश्चित आपूर्ति तथा पोतों के डाउनटाइम में कमी सुनिश्चित हो सके। पुलिस समुद्री बल के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह सीएएमसी 60 दिनों की मोबिलाइज़ेशन अवधि के पश्चात 3 वर्षों की अवधि के लिए वैध होगा तथा इसके अंतर्गत निवारक, नियमित एवं आकस्मिक (ब्रेकडाउन) अनुरक्षण, प्रशिक्षित तकनीकी कर्मियों की तैनाती, स्पेयर पार्ट्स एवं उपभोग्य सामग्रियों की आपूर्ति तथा न्यूनतम परिचालन प्रदर्शन मानकों का अनुरक्षण शामिल है। अनुबंध में नियमित प्रदर्शन निगरानी एवं रिपोर्टिंग का प्रावधान भी है। यह सीएएमसी पीएमएफ पोतों की परिचालन उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा तथा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटीय सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

शैक्षणिक भ्रमण व अध्ययन दौरे पर

——————————पृष्ठ 1 का शेष

यह यात्रा निदेशालय शिक्षा, श्री विजय पुरम द्वारा संचालित एक सुव्यवस्थित पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक विशिष्ट शैक्षणिक अनुभव प्रदान करना है। इस दौरान विद्यार्थियों को द्वीप का भ्रमण करने तथा उसके भौगोलिक महत्व को गहराई से समझने का अवसर मिलेगा। निकोबार ज़िले के विद्यार्थी आज नालंदा जहाज़ में सवार होकर बैरन द्वीप की अग्रिम यात्रा के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। वापसी यात्रा 3 जनवरी, 2026 को श्री विजय पुरम में ठहराव के उपरांत संपन्न होगी।

शिक्षा निदेशालय द्वारा इस यात्रा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों एवं एस्कॉर्ट शिक्षकों की सुरक्षित यात्रा तथा उपयुक्त आवास सुनिश्चित हो सके। यह पहल विशेष रूप से द्वीपसमूह के दक्षिणी समूह के दूर–दराज़ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की प्राकृतिक सुंदरता एवं जैव–विविधता के बारे में जानने और अनुभव करने का दुर्लभ अवसर प्राप्त होता है। तीनों अंचलों के क्षेत्रीय अधिकारियों ने, निकोबार ज़िले के अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर, इस शैक्षणिक भ्रमण हेतु जहाज़ उपलब्ध कराने में सहयोग देने के लिए निदेशक, जहाज़रानी सेवा, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके सहयोग ने इस उपयोगी एवं महत्वपूर्ण भ्रमण को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शिक्षा निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बैरन द्वीप का यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के क्षेत्रीय ज्ञान को समृद्ध करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिससे वे अनूठे प्राकृतिक पर्यावरण का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकें। इस प्रकार का अनुभव अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की जैव–विविधता एवं पारिस्थितिक महत्व के प्रति विद्यार्थियों में गहरी समझ और सराहना विकसित करने की अपेक्षा रखता है।

नववर्ष समारोह के दौरान रिसॉर्ट/होटल/बार प्रतिष्ठानों द्वारा अपनाए जाने वाले एहतियाती एवं नियामक उपाय

श्री विजय पुरम, 30 दिसम्बर

आगामी नववर्ष समारोह तथा सार्वजनिक आयोजनों में संभावित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, सभी बार/होटल/रिसॉर्ट स्वामियों को सार्वजनिक व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के हित में निम्नलिखित एहतियाती एवं सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी जाती है:

1. सभी बार/होटल/रिसॉर्ट लाइसेंसधारकों द्वारा बार लाइसेंस की शर्तों का कड़ाई से पालन :

- सभी गतिविधियाँ सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी लाइसेंस की शर्तों एवं नियमों के अनुरूप ही संचालित की जाएँ।

2. भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्थाएँ

- भीड़ प्रबंधन हेतु प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सहित पर्याप्त व्यवस्था की जाए।
- प्रवेश एवं निकास द्वार, आपातकालीन निकास सहित, हर समय अवरोध–मुक्त रखे जाएँ।
- सीसीटीवी निगरानी प्रणाली चालू अवस्था में रखी जाए तथा रिकॉर्डिंग निर्धारित अवधि तक सुरक्षित रखी जाए।

3. मदिरा परोसने में ज़िम्मेदारी

- जहाँ आवश्यक हो, पहचान एवं आयु सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।
- मदिरा का परोसना नियमों एवं लाइसेंस की शर्तों के अनुसार ज़िम्मेदारीपूर्वक किया जाए।
- नशे की अवस्था में व्यक्तियों तथा विधिक रूप से निर्धारित आयु से कम आयु के व्यक्तियों को मदिरा परोसना सख्त रूप से निषिद्ध है।

4. अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन तैयारी

- अग्निशमन यंत्रों सहित अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध, क्रियाशील एवं आसानी से सुलभ हों।
- कर्मचारियों को मूलभूत अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन निकासी प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया जाए।
- डांस फ्लोर, मंच अथवा गलियारों जैसे सीमित क्षेत्रों में अत्यधिक भीड़ से सख्ती से बचा जाए।

5. ध्वनि नियंत्रण एवं सार्वजनिक व्यवस्था

- ध्वनि स्तर अनुमेय सीमा के भीतर तथा लागू कानूनों के अंतर्गत निर्धारित समय के अनुसार रखा जाए।
- पड़ोसी आवासीय क्षेत्रों में सार्वजनिक उपद्रव या असुविधा उत्पन्न करने वाली किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं साफ–सफाई

- शौचालयों एवं सामान्य क्षेत्रों सहित सभी स्थानों पर पर्याप्त स्वच्छता एवं साफ–सफाई बनाए रखी जाए।
- कचरा संग्रहण एवं निस्तारण हेतु समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

7. प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय

- निरीक्षण के दौरान पुलिस, आबकारी, नगर निकाय, अग्निशमन तथा अन्य प्रवर्तन एजेंसियों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए।
- सार्वजनिक सुरक्षा या व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी घटना की तत्काल सूचना निकटतम पुलिस थाना या नियंत्रण कक्ष को दी जाए।

दक्षिण अण्डमान के उप मंडलीय मजिस्ट्रेट द्वारा जारी विज्ञप्ति में सभी संबंधित बार/होटल/रिसॉर्ट स्वामियों एवं संचालकों से अपेक्षा की गई है कि वे ज़िम्मेदारीपूर्वक कार्य करें तथा नववर्ष समारोह सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराएँ।

नियमों एवं विनियमों के उल्लंघन पर, अन्य विधिक परिणामों के अतिरिक्त, लाइसेंस के निलंबन या निरस्तीकरण सहित विधि के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह सर्कुलर तत्काल प्रभाव से लागू होगा तथा नववर्ष समारोह की अवधि तक प्रभावी रहेगा।

फायरिंग अभ्यास

श्री विजय पुरम, 30 दिसंबर

मैन्युवर्स, फील्ड फायरिंग एवं आर्टिलरी प्रैक्टिस अधिनियम, 1938 की धारा 10 की उप–धारा (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दक्षिण अण्डमान के ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना में सभी संबंधितों की जानकारी हेतु सूचित किया गया है कि आगामी वीवीआईपी दौरे के संबंध में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के सुरक्षा कर्मियों द्वारा दिनांक 31 दिसंबर, 2025 को सुबह 5.30 बजे से सुबह 11 बजे तक पुलिस फायरिंग रेंज, बर्ड लाइन, प्रोथरापुर में फायरिंग अभ्यास किया जाएगा। आम जनता, विशेषकर बर्ड लाइन एवं प्रोथरापुर क्षेत्र के ग्रामीणों/निवासियों को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त तिथि एवं समय के दौरान वे स्वयं तथा अपने मवेशियों को फायरिंग रेंज क्षेत्र से दूर रखें।

दक्षिण अण्डमान के अपर ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना में सभी संबंधितों को सूचित किया गया है कि फायरिंग अभ्यास 31 दिसंबर को शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक एनएससीबी द्वीप पर किया जाएगा। सभी संबंधितों को फायरिंग रेंज से खुद को दूर रखने की चेतावनी दी गई है और मछली पकड़ने वाले जलयानों को फायरिंग अवधि के दौरान उपरोक्त क्षेत्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

द्वीप पर्यटन महोत्सव में आज

दिनांक – 31.12.2025 (बुधवार)

स्थान/समय	शाम 5:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक	शाम 6:30 बजे से रात 9 बजे तक
आईटीएफ मुख्य मंडप	1. कैलाशपति शास्त्रीय नृत्य अकादमी (20 मिनट) 2. नृत्य अकादमी शास्त्रीय नृत्य (20 मिनट) 3. ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा संबलपुरी नृत्य (15 मिनट)	4. युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, गुजरात के रास कलाकार (10 मिनट) 5. भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों द्वारा कथक (30 मिनट) 6. निदेशालय, संस्कृति एवं भाषा, छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा लोक/आदिवासी नृत्य, अनुष्ठान, लोक संगीत (10 मिनट) 7. सुर सप्तक–ए–संगीत अकादमी (30 मिनट) 8. सीतेश लाइव ऑर्केस्ट्रा (लाइव बैंड) (30 मिनट)
	शाम 5:30 बजे से रात 9 बजे तक	
मरीना एस्पलेनैड	1. श्री सीतारामंजनेया मंदिर कमिटी (20 मिनट) 2. एजुकेशन डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स का कल्चरल प्रोग्राम (25 मिनट) 3. श्री सीतारामंजनेया यूथ क्लब (20 मिनट) 4. निदेशालय, संस्कृति एवं भाषा, छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा लोक/आदिवासी नृत्य, अनुष्ठान, लोक संगीत (20 मिनट) 5. एसज़ेडसीसी के कलाकारों का मयूरनृत्यम (15 मिनट) अर्पण म्यूज़िक अकादमी (लाइव बैंड) (35 मिनट)	
	शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक	
शहीद द्वीप	1. एसज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा मयूरनृत्यम, थिरा, थेय्यम/मरक्कलट्टम, करगम, ओयिल, थप्पट्टम 2. गीत संगीत म्यूज़िकल ग्रुप (कराओके)	
स्वराज द्वीप	1. जम्मू और कश्मीर के कलाकारों का लोक नृत्य 2. सोल म्यूज़िकल एसोसिएशन (कराओके)	
	शाम 6 बजे से रात 7 बजे तक	
कैंपबेल बे	1. एसज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा मयूरनृत्यम, थिरा, थेय्यम/मरक्कलट्टम, करगम, ओयिल, थप्पट्टम, इवेंट म्यूजिकल ग्रुप (कराओके)	

आईटीआई, बकुलतला के सर्वेयर प्रशिक्षुओं के लिए ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण

मायाबंदर, 30 दिसंबर

सर्वेयर प्रशिक्षुओं की प्रभावी निगरानी एवं व्यावहारिक क्षमता विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला प्रशासन ने उपायुक्त श्री सुशांत पधा (आईएएस) के नेतृत्व में आईटीआई, बकुलताला के द्वितीय वर्ष के सर्वेयर प्रशिक्षुओं के लिए एक संरचित ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण (ओजेटी) कार्यक्रम की शुरुआत की है। आईटीआई, बकुलताला के द्वितीय वर्ष के सर्वेयर प्रशिक्षुओं को 22 दिसंबर, 2025 से प्रभावी 15 दिनों की अवधि के लिए ज़िले के तीन उप–मंडलों–रंगत, डिगलीपुर एवं मायाबंदर–में वर्तमान में पदस्थ अनुभवी सर्वेयर/एस एंड डी के साथ संलग्न किया गया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत नामित सर्वेयर/एस एंड डी प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन, पर्यवेक्षण तथा उनकी सेवाओं का उपयोग करेंगे, ताकि उन्हें क्षेत्रीय स्तर पर सर्वेक्षण कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। प्रशिक्षु संबंधित उप–मंडलों के सहायक आयुक्तों के समग्र मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षुओं को सर्वेक्षण कार्यों के दौरान आने वाली ज़मीनी चुनौतियों एवं व्यावहारिक समस्याओं की महत्वपूर्ण समझ प्रदान करेगा, जिससे उन्हें भविष्य की पेशेवर भूमिकाओं के लिए आवश्यक क्षेत्र–उन्मुख ज्ञान प्राप्त होगा। ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण के सफल समापन पर प्रशिक्षुओं को उपायुक्त द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा, जो उनके भविष्य के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन एवं सहयोग सिद्ध होगा। यह पहल युवा प्रशिक्षुओं के कौशल विकास एवं तकनीकी दक्षताओं को सुदृढ़ करने की प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें अनुभवी अधिकारियों के मार्गदर्शन में वास्तविक क्षेत्रीय अनुभव प्रदान कर उनकी पेशेवर तत्परता को बढ़ाया जा रहा है।

प्रारूप भर्ती नियम के संबंध में दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 30 दिसंबर

शिक्षा विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति में सूचित किया गया है कि प्राथमिक विद्यालय संसाधन शिक्षक पद के लिए प्रारूप भर्ती नियम विभागीय वेबसाइटों, अर्थात् **http://education.andamannicobar.gov.in/tops** तथा **https://edurec.andamannicobar.gov.in** पर सभी संबंधितों की जानकारी हेतु अपलोड कर दिए गए हैं। सभी हितधारकों को आमंत्रित किया जाता है कि यदि कोई दावा एवं/या आपत्ति हो, तो वे सहायक दस्तावेज़ों सहित उप निदेशक शिक्षा (कार्मिक) को 30 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे या आपत्तियाँ स्वीकार नहीं की जाएँगी। तत्पश्चात, निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने पर प्रारूप भर्ती नियमों को अंतिम रूप देकर प्रचलित नियमों के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा।

प्रदर्शिनी मैदान में फूल, फल एवं सब्ज़ प्रदर्शिनी लगाई गई

श्री विजय पुरम, 30 दिसंबर

कृषि विभाग ने कल यहां के प्रदर्शिनी मैदान में फूल प्रदर्शिनी तथा फल एवं सब्ज़ प्रदर्शिनी का आयोजन कर चल रहे द्वीप पर्यटन महोत्सव (आईटीएफ) 2025 में रंग, ताज़गी एवं उत्सवी उल्लास का संचार किया। इन दोनों आयोजनों ने बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया तथा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की समृद्ध बागवानी क्षमता का प्रदर्शन किया।

इन कार्यक्रमों का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती पल्लवी सरकार (आईएएस), सचिव (कृषि) द्वारा श्रीमती प्रियंका कुमारी, निदेशक (कृषि) की उपस्थिति में किया गया। मुख्य अतिथि ने पुष्पकृषि, बागवानी एवं किसान सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। फूल प्रदर्शनी में द्वीपसमूह में उगाए गए विभिन्न प्रकार के फूलों तथा कलात्मक पुष्प सज्जाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया गया, जो अपने सजीव रंगों एवं सौंदर्यात्मक आकर्षण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। कुल 39 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक फूल प्रदर्शनी प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें ताजे फूलों की सजावट, सूखे फूलों की सजावट, फ्लैट गुलदस्ते, माला एवं रंगोली निर्माण जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रविष्टियाँ प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनों का मूल्यांकन गुणवत्ता, ताज़गी, प्रस्तुति एवं समग्र आकर्षण के आधार पर किया गया।

कृषि विभाग से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसके साथ ही, फल एवं सब्ज़ प्रदर्शनी में द्वीपसमूह की कृषि क्षमता को प्रदर्शित किया गया, जिसमें स्थानीय किसानों द्वारा उगाए गए 65 प्रकार के फल एवं सब्ज़ियाँ प्रदर्शित की गईं। इन प्रदर्शनों ने उच्च गुणवत्ता वाले ताज़े उत्पादों की विविधता को दर्शाया तथा उन्नत खेती पद्धतियों को अपनाने एवं स्थानीय खाद्य सुरक्षा में योगदान देने के लिए किसानों के प्रयासों को रेखांकित किया। दोनों कार्यक्रमों ने न केवल दर्शकों को एक सुखद दृश्य अनुभव प्रदान किया, बल्कि आम जनता द्वारा सराहे गए और आईटीएफ 2025 के समारोहों में एक ताज़गी भरा एवं शैक्षणिक आयाम भी जोड़ा।

बिजली टैरीफ में संशोधन

श्री विजय पुरम, 30 दिसंबर

आम जनता एवं अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के विद्युत विभाग के समस्त उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है कि संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (जेईआरसी) ने याचिका संख्या 151/2025 के संबंध में दिनांक 28 अक्टूबर, 2025 के अपने टैरिफ आदेश के माध्यम से चौथी नियंत्रण अवधि, अर्थात वित्तीय वर्ष 2025–26 से वित्तीय वर्ष 2029–30 के लिए खुदरा टैरिफ को स्वीकृति प्रदान की है, जो 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी हो गया है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में टैरिफ संरचना एवं उसकी प्रयोज्यता को दिसंबर, 2024 में जारी नए जेईआरसी दिशा–निर्देशों के अनुसार संशोधित किया गया है। इस संशोधन का उद्देश्य उपयोग, वोल्टेज स्तर, अनुबंधित भार, खपत, आपूर्ति की शर्तें एवं नियम तथा विविध शुल्कों के आधार पर सरल एवं एकरूप उपभोक्ता श्रेणियाँ एवं उप–श्रेणियाँ लागू कर खुदरा टैरिफ ढांचे का युक्तिकरण करना है। विद्युत विभाग से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार चौथी नियंत्रण अवधि (वित्तीय वर्ष 2025–26 से 2029–30) के लिए स्वीकृत टैरिफ आदेश दिनांक 28 अक्टूबर, 2025 जेईआरसी की वेबसाइट **(www.jercuts.gov.in)** तथा विभागीय वेबसाइट **(http://vidyut.andamannicobar.gov.in)** पर उपलब्ध है।

लापता नाबालिग बालिका सफलतापूर्वक बरामद, आरोपी गिरफ्तार

मायाबंदर, 30 दिसंबर

गत 27 नवंबर, 2025 को पुलिस थाना बिल्लीग्राउंड, मध्य अण्डमान में एक शिकायत दर्ज़ की गई, जिसमें बताया गया कि एक 14 वर्षीय नाबालिग बालिका, कक्षा 10वीं की छात्रा, 25 नवंबर, 2025 से लापता है। जांच के दौरान यह पता चला कि उक्त नाबालिग को 24 नवंबर, 2025 की रात श्री विजय पुरम जाने वाली बस में चढ़ते हुए अंतिम बार देखा गया था तथा वह 25 नवंबर, 2025 को एक अज्ञात व्यक्ति के साथ मुख्यभूमि चली गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर बिल्लीग्राउंड थाना में त्वरित रूप से एफआईआर दर्ज़ की गई तथा नाबालिग का पता लगाने हेतु तत्काल एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी आधारित जांच प्रारंभ की गई, जिसमें कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) एवं सब्सक्राइबर डिटेल रिकॉर्ड (एसडीआर) का विश्लेषण तथा विमान यात्रियों की सूची की जांच शामिल थी। लगातार तकनीकी विश्लेषण एवं मैदानी जांच के माध्यम से आरोपी की पहचान अलाइपुर, नदिया, चाकदह, राणाघाट ज़िला, पश्चिम बंगाल के निवासी के रूप में की गई तथा उसके ठिकाने का सफलतापूर्वक पता लगाया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक अब्दुल शकील, सहायक उप निरीक्षक डायना, प्रधान आरक्षक ज़ुल्फिकार अहमद एवं इंदिरा देवी को सम्मिलित करते हुए एक पुलिस टीम को कोलकाता भेजा गया। स्थानीय पुलिस के साथ निकट समन्वय में टीम ने अलाइपुर, कोलकाता से नाबालिग बालिका को सुरक्षित रूप से बरामद किया तथा आरोपी को गिरफ्तार किया। 26 दिसंबर, 2025 को पुलिस टीम नाबालिग बालिका एवं आरोपी के साथ सुरक्षित रूप से श्री विजय पुरम लौट आई। आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के उपरांत नाबालिग बालिका को उसके माता–पिता के सुपुर्द कर दिया गया। यह सफल अभियान उत्तर व मध्य अण्डमान पुलिस की बालिकाओं की सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा महिलाओं के विरुद्ध, विशेषकर नाबालिगों से संबंधित अपराधों के प्रति शून्य–सहिष्णुता की नीति को प्रतिबिंबित करता है। उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि किसी भी अपराध अथवा अवैध गतिविधि से संबंधित विश्वसनीय जानकारी अपने निकटतम पुलिस थाना अथवा दूरभाष नंबर 100, 112 एवं 03192–273344 पर अवश्य साझा करें। सूचना देने वालों की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा उन्हें उपयुक्त रूप से पुरस्कृत भी किया जाएगा।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी' सोणी, फोन–229400
E-Mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा आमंत्रित सूचना

F.No. e-Tender/DB/SD/2025-26/1014 दिनांक 22.12.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अलोनिवि, श्री विजयपुरम स्थित भंडार प्रभाग के कार्यकारी अभियंता, अलोनिवि या किसी अन्य सरकारी विभाग के अनुभवी और पात्र ठेकेदारों से प्रतिशत दर के आधार पर ऑनलाइन ई–निविदा आमंत्रित करते हैं, चाहे वे पंजीकृत हों या नहीं। यह इस शर्त के अधीन है कि ठेकेदारों को सीपीडब्ल्यूडी कार्य नियमावली के अनुसार अलोनिवि या भारत सरकार के किसी अन्य संगठन के साथ इन द्वीपों/तमिलनाडु राज्य में प्रासंगिक परिमाण के समान कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने का अनुभव हो और उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी न हो।

NIT No: 10/EE/SD/DB/2025-26

कार्य का नाम : अलोनिवि, स्टोर उप–मंडल संख्या–।।, स्टोर डिवीजन के अंतर्गत अंडमान और निकोबार भवन, अन्ना नगर की मरम्मत और पेंटिंग का कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 9,14,162/–, बयाना राशि : रु. 18,283/– कार्य समाप्ति की अवधि : 03 (तीन) महीने।

बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 05/01/2026 के पूर्वाहन 10.00 बजे ।

बोली खुलने की तारीख : 05/01/2026 के पूर्वाहन 11.00 बजे ।

निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण ई–खरीद पोर्टल www.eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते है।

कार्यपालक अभियंता

भण्डार मण्डल, अ॰लो॰नि॰वि॰, श्री विजय पुरम

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, विम्बर्लीगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/जीईएन/2025–26/176

कार्य का नाम : विम्बर्लीगंज, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड न. 05 में एस. अप्पा राव के घर से के. देमुडु के घर तक सी सी फुटपाथ सहित रिटेनिंग वॉल का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 32,54,618/–, धरोहर राशि : रु. 65,092/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 08/01/2026 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_21245_1

कार्यपालक अभियंता,

पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,

जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, विम्बर्लीगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2025–26/177

कार्य का नाम : विम्बर्लीगंज, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड न. 07 में यूसुफ के घर से एयूटी के घर तक सी सी रोड का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 7,43,112/–, धरोहर राशि : रु. 14,862/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 08/01/2026 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_21249_1

कार्यपालक अभियंता,

पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,

जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

भारतीय ओलंपिक संघ पहले राष्ट्रीय एथलीट फोरम का आयोजन करेगा

अहमदाबाद, 30 दिसम्बर।

भारतीय खेल में एथलीटों के नेतृत्व वाली शासन व्यवस्था और जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 10 जनवरी को गुजरात के अहमदाबाद में पहले राष्ट्रीय एथलीट फोरम का आयोजन करेगा। आईओए ने कहा कि यह फोरम देशभर के मौजूदा और पूर्व एथलीटों, एथलीट प्रतिनिधियों और मुख्य स्टेकहोल्डर्स को सीधे, समाधान–उन्मुख बातचीत के लिए एक साथ लाएगा।

भारतीय ओलंपिक संघ ने मंगलवार को कहा कि फोरम में खिलाड़ियों के अधिकार और जिम्मेदारियां, नैतिक और पारदर्शी शासन, सुरक्षित खेल और ईमानदारी, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण, डोपिंग विरोधी शिक्षा और शिकायत निवारण सहित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। चर्चाओं का मकसद खिलाड़ियों के फीडबैक को कार्रवाई योग्य सुधारों में बदलना होगा।

इस पहल की घोषणा करते हुए आईओए की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा कि यह भारत के खेल इतिहास में पहली बार है कि एथलीटों को सीधे गवर्नेंस को प्रभावित करने के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय फोरम के माध्यम से एकसाथ लाया जा रहा है। एथलीटों की आवाज को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह फोरम एथलीटों के नेतृत्व वाले सुधार, जवाबदेही और साझा निर्णय लेने की दिशा में एक निर्णायक बदलाव का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की गरिमा, सुरक्षा और कल्याण की रक्षा किए बिना खेल में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करना असंभव है।

आईओए एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन एमसी मैरीकॉम ने कहा कि एथलीट सिस्टम को अंदर से जानते हैं। यह फोरम हमें चुनौतियों और समाधानों के बारे में खुलकर बात करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म देता है कि एथलीटों के अनुभवों को गवर्नेंस और सुधारों में शामिल किया जाए।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरश ने 2026 का नव वर्ष संदेश हिंदी में जारी किया

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

पहली बार संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने वर्ष 2026 के लिए अपना नववर्ष संदेश हिंदी सहित अन्य भाषाओं में जारी किया है. गुतारेस ने अपने संदेश में विश्व नेताओं से आज विकास में निवेश करने का आह्वान किया, ना कि विनाश (युद्ध) में. एंतोनियो गुतारेस का नववर्ष संदेश 11 भाषाओं में जारी किया गया है, जिनमें संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाएं अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश के साथ–साथ हिंदी और उर्दू भी शामिल हैं.

इस अवसर पर उनके वीडियो संदेश में हिंदी सबटाइटल भी उपलब्ध कराए गए हैं. नये साल के लिए एक अपील में, महासचिव गुतारेस ने आज विश्व नेताओं से 'प्राथमिकताओं को स्पष्ट करने' और विनाश (युद्ध में खर्च) के बजाय विकास में निवेश करने का आह्वान किया.

गुतारेस ने सोमवार को 2026 के लिए अपने संदेश में कहा, ''जैसा कि हम नये साल में प्रवेश करने वाले हैं, दुनिया एक मोड़ पर खड़ी है. हमारे चारों ओर अराजकता और अनिश्चितता है. लोग हर जगह पूछ रहे हैं: क्या नेता सच में सुन रहे हैं? क्या वे कार्रवाई के लिए तैयार हैं?"

उन्होंने कहा कि आज दुनिया में मानव पीड़ा का पैमाना भयानक है. एक–चौथाई से अधिक मानवता ऐसे क्षेत्रों में रहती है जो संघर्ष से प्रभावित हैं. उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर 20 करोड़ से अधिक लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है और लगभग 12 करोड़ लोगों को युद्ध, संकट, आपदाओं या उत्पीड़न से बचने के लिए विस्थापित होना पड़ा है. उन्होंने कहा, "जैसे ही हम एक अशांत वर्ष को पीछे छोड़ते हैं, एक तथ्य बताता है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि है.''

उन्होंने कहा कि फिर भी, जैसे–जैसे दुनिया भर में मानवीय संकट बढ़ रहे हैं, वैश्विक सैन्य खर्च के दोगुने से भी अधिक बढ़ने का अनुमान है. अगर मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो यह 2.7 ट्रिलियन डॉलर (2024 में) से बढ़कर 6.6 ट्रिलियन डॉलर (2035 तक) हो जाएगा. उन्होंने कहा कि आंकड़े दिखाते हैं कि 2.7 ट्रिलियन डॉलर सभी वैश्विक विकास सहायता की कुल राशि का तेरह गुना है और यह पूरे अफ्रीका महाद्वीप की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बराबर है.

गुतारेस ने कहा, "इस नए साल पर, आइए संकल्प लें कि हमारी प्राथमिकताएं सही हों. एक सुरक्षित दुनिया की शुरुआत गरीबी के खिलाफ अधिक निवेश और युद्धों के खिलाफ कम निवेश करने से होती है. शांति का शासन होना चाहिए.'' वर्ष 2018 में, संयुक्त राष्ट्र में हिंदी परियोजना के लिए भारत और संयुक्त राष्ट्र वैश्विक संचार विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे. इसका मुख्य उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र की खबरों का हिंदी में प्रसारण करना है. भारत सरकार ने पांच वर्षों की अवधि के लिए प्रतिवर्ष 15 लाख डॉलर देने का वचन दिया है.

सेना और नौसेना को जल्द मिलेंगी 4.25 लाख क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन

नई दिल्ली, 30 दिसंबर।

भारतीय सेना और नौसेना को अब जल्द ही 4.25 लाख क्लोज क्वार्टर बैटल (सीक्यूबी) कार्बाइन मिल जाएगी, क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए दो निजी फर्मों के साथ 2,770 करोड़ रुपये का करार किया है। नौसेना के लिए भारी वजन वाले टॉरपीडो खरीदने के लिए अलग से 1,896 करोड़ रुपये का समझौता किया गया है। कुल 4,666 करोड़ रुपये के यह समझौते मंगलवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में साउथ ब्लॉक में किए गए।

रक्षा मंत्रालय ने 4.25 लाख से ज्यादा सीक्यूबी कार्बाइन और संबंधित उपकरणों के लिए 2,770 करोड़ रुपये का समझौता भारत फोर्ज लिमिटेड और पीएलआर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया है। यह कामयाबी 'आत्मनिर्भर भारत' विजन के तहत पुराने सिस्टम को आधुनिक स्वदेशी तकनीक से बदलकर भारतीय सेना और नौसेना को विश्व स्तरीय मारक क्षमता से लैस करने की लगातार कोशिश का नतीजा है।

आधुनिक इन्फेंट्री हथियारों के जखीरे का अहम हिस्सा होने के नाते सीक्यूबी कार्बाइन अपनी अनोखी डिजाइन और उच्च स्तरीय फायरिंग क्षमता की वजह से करीबी लड़ाई में अहम बढ़त देती है, जिससे तंग जगहों पर तेज और निर्णायक मारक क्षमता मजबूत होगी। भारतीय नौसेना की कलवरी क्लास सबमरीन (पी–75) के लिए 48 हैवी वेट टॉरपीडो और उससे जुड़े उपकरणों की खरीद के लिए इटली की फर्म सबमरीन सिस्टम्स एसआरएल के साथ लगभग 1,896 करोड़ रुपये का समझौता किया गया है। इस खरीद से छह कलवरी क्लास सबमरीन की लड़ाकू क्षमता बढ़ेगी।

पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट ने पहले लाइट टेस्ट में लक्ष्य पर साधा सटीक निशाना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

भारत ने पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का पहला लाइट टेस्ट करके इतिहास रच दिया है। ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किये गए परीक्षण में पिनाका रॉकेट ने एकदम सटीक तरीके से 120 किमी. की रेंज हासिल करते हुए लक्ष्य पर निशाना साधा। चीन को सटीक जवाब देने के लिए भारत भी अपनी 'रॉकेट फोर्स' बना रहा है। इसका उद्देश्य भारत की मध्यम दूरी की मारक क्षमता को मजबूत करना है, जो पहले से ही पड़ोसी देशों पाकिस्तान और चीन के पास है।

लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट (एलआरजीआर 120) का पहला उड़ान परीक्षण चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज में किया गया। इस रॉकेट का परीक्षण उसकी 120 किलोमीटर की अधिकतम सीमा के लिए किया गया, जिसमें इसने योजना के अनुसार उड़ान के दौरान सभी युद्धाभ्यासों का प्रदर्शन किया। एलआरजीआर ने 'टेक्स्टबुक प्रिसिजन' के साथ अपने लक्ष्य पर प्रहार किया। परीक्षण के दौरान तैनात किए गए सभी रेंज उपकरणों ने रॉकेट के पूरे ट्रैजेक्टरी पर नजर रखी। इस रॉकेट को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी के सहयोग और डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी व रिसर्च सेंटर इमारत के सहयोग से डिजाइन किया गया है।

उड़ान परीक्षण का समन्वय आईटीआर और प्रूफ एंड एक्सपेरिमेंटल एस्टेब्लिशमेंट ने किया था। एलआरजीआर को सेवा में मौजूद पिनाका लॉन्चर से लॉन्च किया गया, जो इसकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करता है और एक ही लॉन्चर से विभिन्न रेंज के पिनाका वेरिएंट लॉन्च करने की क्षमता प्रदान करता है। चीन को सटीक जवाब देने के लिए भारत भी अपनी 'रॉकेट फोर्स' बना रहा है। भारत अपनी रॉकेट फोर्स में 1,500 किलोमीटर तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को शामिल करने पर विचार कर रहा है। भारत को अब एक शक्तिशाली रॉकेट फोर्स की जरूरत है, जिसके लिए गाइडेड पिनाका रॉकेट के सभी 12 परीक्षण पूरे होने के बाद भारत पहले ही 44 सेकंड में 60 किमी. दूर तक सात टन तक विस्फोटक से हमला करने में सक्षम हो गया है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए वर्ष 2025 रहा शानदार, एशिया में नंबर–1 का ताज बरकरार

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए साल 2025 अच्छा रहा। बिहार के राजगीर में खेले गए हीरो एशिया कप 2025 में शानदार जीत दर्ज कर भारतीय टीम ने न सिर्फ आठ साल बाद खिताब अपने नाम किया, बल्कि एशिया की नंबर–1 टीम का दर्जा भी बरकरार रखा। इस जीत के साथ टीम ने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 के लिए सीधा क्वालिफिकेशन भी सुनिश्चित किया।

कोच क्रेग फुल्टन के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने एशिया कप में कोरिया, चीन और मलेशिया जैसी मजबूत टीमों को करारी शिकस्त देकर अपने दबदबे का प्रदर्शन किया। यह खिताबी जीत साल 2025 की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही।

प्रो लीग और एचआईएल से मिला फायदासाल की शुरुआत भारत के लिए सकारात्मक रही। एफआईएच प्रो लीग के घरेलु चरण में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। इसके ठीक पहले हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में कुछ ऐसे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया जो सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

भुवनेश्वर में शुरू हुए प्रो लीग चरण में कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारत ने स्पेन, जर्मनी, आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने आठ में से पांच मुकाबले जीते, जिसका श्रेय लंबे और प्रतिस्पर्धी एचआईएल सीजन को भी दिया गया।

यूरोप में संघर्ष हालांकि, जून में प्रो लीग के यूरोपीय चरण के दौरान भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम को ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड्स और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और केवल बेल्जियम के खिलाफ एक जीत मिल सकी।

टीम ने कटाया विश्व कप का टिकटइस वर्ष भारतीय हॉकी टीम की सबसे बड़ी उपलब्धि एशिया कप में जीत रही, जहां आठ साल बाद खिताब जीतकर उसने अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच विश्व कप के लिए टिकट कटाया। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखाया। फाइनल में भारतीय टीम ने गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को 4–1 से हराकर

ट्रॉफी अपने नाम की। खिताबी मुकाबले में दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने गोल किए।

सुल्तान अजलन शाह कप 2025 इस टीम के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि सुल्तान अजलन शाह कप 2025 में उनका प्रदर्शन था, जहां भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया। इस टूर्नामेंट में हरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह जैसे अधिकांश स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया था, इसके बावजूद टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया। हालांकि वे बेल्जियम से 0–1 के मामूली अंतर से खिताब हार गए, लेकिन कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड और कनाडा को उन्होंने शानदार तरीके से हराया।

कप्तान हरमनप्रीत का बयान हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में टीम कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि एशिया कप जीतना भारतीय टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन मुझे लगता है कि अजलन शाह कप का प्रदर्शन इस साल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रहा। टीम के कई मुख्य खिलाड़ियों को आराम दिया गया था, इसके बावजूद टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। इससे हमें 2026 के व्यस्त वर्ष के लिए मजबूती मिली है, जहां एशियाई खेल और विश्व कप एक–दूसरे के करीब हैं। हमारे पास अब टीम संयोजन के लिए कई विकल्प हैं।

2026 की ओर मजबूती से कदम कुल मिलाकर, 2025 भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए आत्मविश्वास, गहराई और निरंतरता का साल रहा। एशिया में नंबर–1 की स्थिति, विश्व कप के लिए सीधा क्वालिफिकेशन और युवा खिलाड़ियों का उभार. ये सभी संकेत देते हैं कि भारतीय हॉकी आने वाले बड़े टूर्नामेंटों के लिए पूरी तरह तैयार है।

रेडियो–फ्रीक्वेंसी से जुड़ी राष्ट्रीय आवंटन योजना प्रभावी हुई

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

रेडियो संचार से जुड़ी राष्ट्रीय फ्रीक्वेंसी आवंटन योजना 2025 (एनएफएपी) मंगलवार से प्रभावी हो गई है। यह देश में रेडियो–फ्रीक्वेंसी स्पेक्ट्रम के प्रबंधन और आवंटन को नियंत्रित करने और उसे वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने से जुड़ी नीति है। संचार मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इन सुधारों से यह सुनिश्चित होगा कि भारत का स्पेक्ट्रम प्रबंधन उत्तरदायी, उच्च क्षमता वाला और वैश्विक मानकों के अनुरूप बना रहे। इससे वर्तमान और भविष्य के डिजिटल नवाचारों को समर्थन मिलेगा और देश में इससे जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

डीओटी के अनुसार, एनएफएपी–2025 में विभिन्न रेडियो संचार सेवाओं के लिए 8.3 किलोहर्ट्ज़ से 3000 गीगाहर्ट्ज़ तक की फ्रीक्वेंसी रेंज को आवंटित किया गया है। इसमें कई अहम बदलाव किए गए हैं। इसमें इंटरनेशनल मोबाइल टेलीकम्युनिकेशंस (आईएमटी) के लिए 6425–7125 मेगाहर्ट्ज़ बैंड को चिन्हित किया गया है। इससे 5जी, 5जी एडवांस और भविष्य की 6जी सेवाओं के लिए मिड–बैंड स्पेक्ट्रम उपलब्ध होगा।

इसके अलावा, दूरसंचार विभाग ने अगली पीढ़ी की सैटेलाइट सेवाओं के लिए क्यू और वी बैंड को आवंटित किया है। यह उच्च क्षमता वाले जियो–स्टेशनरी ऑर्बिट (जीएसओ) सैटेलाइट और बड़े नॉन–जीएसओ सैटेलाइट समूहों के लिए अहम होंगे। हवाई और समुद्री यात्रा के दौरान निर्बाध ब्रॉडबैंड सेवा सुनिश्चित करने के लिए योजना में इन–लाइट और मैरीटाइम कनेक्टिविटी (आईएफएमसी) के लिए अतिरिक्त स्पेक्ट्रम प्रावधान किया गया है।

इतिहास के पन्नों में 31 दिसंबर : 1929 के लाहौर अधिवेशन में महात्मा गांधी ने की पूर्ण स्वराज्य की घोषणा

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

1929 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ पूर्ण स्वराज्य की मांग को लेकर आंदोलन का आगाज किया था। उसी वर्ष दिसंबर में लाहौर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन ऐतिहासिक साबित हुआ, जहां भारत की पूर्ण स्वतंत्रता को कांग्रेस का अंतिम लक्ष्य घोषित किया गया। इस अधिवेशन की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की थी।

लाहौर अधिवेशन में यह स्पष्ट किया गया कि अब देशवासी ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन किसी भी प्रकार की सीमित स्वायत्तता को स्वीकार नहीं करेंगे। अधिवेशन के दौरान 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।

महात्मा गांधी ने इस निर्णय के बाद देशभर में जन आंदोलन को तेज करने की रणनीति बनाई। पूर्ण स्वराज्य आंदोलन ने भारतीय जनता में आज़ादी के प्रति दृढ़ संकल्प को मजबूत किया और आगे चलकर सविनय अवज्ञा आंदोलन जैसी ऐतिहासिक घटनाओं का मार्ग प्रशस्त किया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1492– इटली के सिसली क्षेत्र से 100,000 यहूदियों को निकाला गया।

1600– ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापनी हुई।

1781 – अमेरिका में पहला बैंक 'बैंक ऑफ नॉर्थ अमेरिका' में खुला।

1802 – पेशवा बाजीराव द्वितीय को ब्रिटिश संरक्षण प्राप्त हुआ।

1857 – क्वीन विक्टोरिया ने ओटावा को कनाडा की राजधानी घोषित किया.

1861 – चेरापूंजी, असम में 22990 मिमि बारिश हुई जो विश्व में किसी भी स्थल पर होने वाली सर्वाधिक वर्षा है।

1944 – अमेरिकी राज्य उताह के ओगडन में रेल दुर्घटना में 48 लोगों की मौत।

1944 – द्वितीय विश्व युद्ध में हंगरी ने जर्मनी के ख़िलाफ़

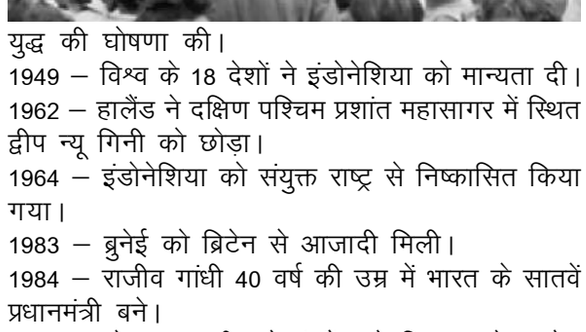

युद्ध की घोषणा की।

1949 – विश्व के 18 देशों ने इंडोनेशिया को मान्यता दी।

1962 – हालैंड ने दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप न्यू गिनी को छोड़ा।

1964 – इंडोनेशिया को संयुक्त राष्ट्र से निष्कासित किया गया।

1983 – ब्रुनेई को ब्रिटेन से आजादी मिली।

1984 – राजीव गांधी 40 वर्ष की उम्र में भारत के सातवें प्रधानमंत्री बने।

1984 – मो. अजहरुद्दीन ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेलकर अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जीवन की शुरुआत की। बाद में वे भारतीय टीम के कप्तान भी बने।

1988 – परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया जो 27 जनवरी 1991 से प्रभावी हुआ।

1999 – इंडियन एयरलाइंस के विमान 814 का अपहरण कर अफ़ग़ानिस्तान के कंधार हवाई अड्डे ले जाया गया। सात दिन के बाद 190 लोगों की सुरक्षित रिहाई के साथ यह बंधक संकट टला।

2001 – भारत ने पाकिस्तान को 20 वांछित अपराधियों की सूची सौंपी।

2003 – भारत और सार्क के दूसरे देशों के विदेश सचिवों ने शिखर सम्मेलन से पहले वार्ता शुरू की।

इसरो का स्पेसपोर्ट विस्तारः श्रीहरिकोटा में नया लॉन्च पैड चार साल में होगा तैयार

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट पर एक नए लॉन्च पैड का निर्माण शुरू कर दिया है। यह नया पैड भविष्य में भारी सैटेलाइट और मानव मिशन को सपोर्ट करेगा। इसरो के वैज्ञानिकों का कहना है कि इस नए लॉन्च पैड को बनाने, इंस्टॉल करने और चालू करने में लगभग चार साल का समय लगेगा। यह कदम इसलिए जरूरी है क्योंकि इसरो अगली पीढ़ी के रॉकेट तैयार कर रहा है, जो 12,000 से 14,000 किलोग्राम तक के भारी सैटेलाइट अलग–अलग ऑर्बिट में भेज सकेंगे। इससे भारत की अंतरिक्ष क्षमता में काफी बढ़ोतरी होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, इसरो अभी इस प्रोजेक्ट के लिए सही वेंडर्स की तलाश कर रहा है। सतीश धवन स्पेस सेंटर के डायरेक्टर पद्मकुमार ईएस ने कहा कि नए लॉन्च पैड की प्लानिंग और डेवलपमेंट की प्रक्रिया पहले से चल रही है। इसमें आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी सपोर्ट पर ध्यान दिया जा रहा है।

श्रीहरिकोटा लॉन्च कॉम्प्लेक्स लगभग 175 वर्ग किलोमीटर में फैला है और चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर दूर स्थित है। इस साइट से इसरो कई तरह के सैटेलाइट

लॉन्च कर चुका है, जो कम्युनिकेशन, नेविगेशन, रिमोट सेंसिंग और वैज्ञानिक मिशनों में मदद करते हैं। तीसरा लॉन्च पैड ISRO के रोडमैप के लिए अहम माना जा रहा है। यह पैड क्रू वाले और बिना क्रू वाले मिशन दोनों को सपोर्ट करेगा और भारी पेलोड वाले रॉकेट को लॉन्च करने में मदद करेगा। मौजूदा पैड से PSLV, GSLV और स्टड3 लॉन्च किए जाते हैं, लेकिन भविष्य में भारी सैटेलाइट के लिए तीसरे पैड की आवश्यकता है।

इसरो ने 1971 से लॉन्च पैड और कंट्रोल सेंटर को अपग्रेड किया है और अब तीसरे पैड के जरिए अपनी लॉन्चिंग क्षमता और बढ़ाने की योजना बना रहा है।

परीक्षा पे चर्चा की 9वीं कड़ी के लिए 2 करोड़ 92 लाख से अधिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने अब तक पंजीकरण कराया

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

परीक्षा पे चर्चा के 9वें संस्करण के लिए छात्रों के साथ ही टीचर्स एवं पेरेंट्स में भारी क्रेज देखने को मिल रहा है। अब तक पीपीसी 2026 के लिए 2 करोड़ 92 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन दर्ज किये जा चुके हैं। इसमें शामिल होने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 जनवरी 2026 निर्धारित है। ऐसे में जो भी छात्र प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मिलना चाहते हैं या उनसे सवाल पूछना चाहते हैं वे ऑनलाइन माध्यम से तय तिथि के अंदर ऑनलाइन माध्यम से ऑफिशियल वेबसाइट innovateindia1.mygov.in पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

पिछले साल परीक्षा पे चर्चा के लिए 3.53 करोड़ से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इसके चलते गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा इसे मान्यता दी गई थी। अब इस बार यह रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद है। इस बार 4 करोड़ रजिस्ट्रेशन प्राप्त होने का अनुमान है।

परीक्षा पे चर्चा के लिए अब तक 2 करोड़ 92 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। रजिस्ट्रेशन करने वालों में से स्टूडेंट्स की संख्या 2,61,75,755 टीचर्स की संख्या 15,52,752 और पेरेंट्स की संख्या 3,12,929 है। रजिस्ट्रेशन की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है।

स्टूडेंट्स, टीचर्स या माता पिता ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा पे चर्चा के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन मोबाइल नंबर, रजिस्टर्ड ईमेल आईडी या डिजिलॉकर के माध्यम से किया जा सकता है। आवेदन की स्टेप्स एवं लिंक यहां दिया जा रहा है जिससे आप आसानी से फॉर्म भर सकते हैं।

परीक्षा पे चर्चा 2026 रजिस्ट्रेशन करने के लिए सर्वप्रथम आधिकारिक वेबसाइट innovateindia1.mygov.in पर जाना होगा।

वेबसाइट के होम पेज पर Participate Now पर क्लिक करना होगा।

अब आपकी अपनी कैटेगरी के अनुसार– Student (Self Participation) Student (Participation through Teacher login)] Teacher] Parent का चुनाव कर उसके नीचे क्लिक टू पार्टिसिपेट पर क्लिक करें।

अपना पूरा नाम, मोबाइल नंबर/ ईमेल आईडी दर्ज करके पंजीकरण करें।

इसके बाद अन्य डिटेल भरकर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण कर लें।

गणतंत्र दिवस शिविर 2025 में एनसीसी के 917 बालिका कैडेटों सहित 2300 से अधिक कैडेट लेंगे भाग

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

नेशनल कैडेट कोर यानी एनसीसी का प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस कैंप प्रारंभ हो गया है। इस इसकी शुरुआत मंगलवार को दिल्ली कैंट स्थित करिअप्पा परेड ग्राउंड में हुई। यहां पारंपरिक 'सर्व धर्म पूजा' के साथ एनसीसी का कैंप शुरू किया गया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह कैंप करीब एक महीने तक चलेगा। इस दौरान एनसीसी के कैंप में विभिन्न इंटर–डायरेक्टरेट प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनके अलावा, कैंप में कई अन्य प्रमुख आयोजन भी आयोजित किए जाने हैं। यहां आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता, स्मॉल आर्म्स फायरिंग, गणतंत्र दिवस परेड में मार्चिंग कंटिजेंट तथा लैग एरिया डिजाइनिंग शामिल हैं।

रक्षा मंत्री और तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी भी गणतंत्र दिवस के लिए लगने वाले विशेष एनसीसी कैंप में जाते हैं। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस वर्ष देश भर के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से आने वाले कैडेट इस कैंप का हिस्सा बने हैं। यहां एनसीसी गणतंत्र दिवस कैंप में कुल 2,406 कैडेट हैं। इनमें से 898 बालिका कैडेट शामिल हैं, जो इस साल कैंप में भाग ले रही हैं।

अधिकारियों का कहना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा दल है। एनसीसी के इस कैंप में न केवल देश भर से आए कैडेट्स की भागीदारी है बल्कि विदेशों से आए

कैडेट्स भी इस कैंप का हिस्सा हैं। भारतीय कैडेट्स के अलावा, 25 अलग–अलग मित्र देशों के युवा कैडेट और अधिकारी भी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत इस कैंप में शामिल होंगे।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी कैडेट्स की भागीदारी से एनसीसी कैंप का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप और मजबूत हुआ है। मंगलवार को यहां दिल्ली कैंट में कार्यक्रम के दौरान एनसीसी के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने सभी कैडेटों का स्वागत किया। लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने कैडेट्स को उनके चयन पर बधाई दी। उन्होंने कैडेट्स से चरित्र, सत्यनिष्ठा, निस्वार्थ सेवा, सौहार्द, टीमवर्क और 'राष्ट्र प्रथम' के आदर्शों को आत्मसात करने का आग्रह किया।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने नई पीढ़ी के ध्रुव हेलीकॉप्टर के नागरिक संस्करण की पहली उड़ान को रवाना किया

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को बेंगलुरु में हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में अगली पीढ़ी के नागरिक हेलीकॉप्टर ध्रुव–एनजी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील भी उपस्थित थे। श्री नायडू ने उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, ध्रुव–एनजी की पहली उड़ान को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो स्वदेशी हेलीकॉप्टर का एक नागरिक संस्करण है जिसे एचएएल ने 2025 एयरो इंडिया शो में प्रदर्शित किया था। एचएएल के अनुसार, ध्रुव–एनजी 5.5 टन का हल्का, दो इंजन वाला, बहु–भूमिका वाला हेलीकॉप्टर है जिसे भारतीय भूभाग की विविध और चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे विशेष रूप से वैश्विक नागरिक उड्डयन बाजार की कठोर मांगों को पूरा करने के लिए उन्नत किया गया है। इसे बेहतर सुरक्षा, प्रदर्शन और यात्रियों के आराम को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। यह हेलीकॉप्टर स्वदेशी रोटरी–विंग क्षमता में एक मील का पत्थर है।

मीडिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ध्रुव–एनजी में दो शक्ति 1H1C इंजन लगे हैं, जो उच्च शक्ति रेटिंग प्रदान करते हैं और भारत में आंतरिक रखरखाव को सक्षम बनाते हैं। एचएएल ने कहा कि इसमें एएस4 आवश्यकताओं के अनुरूप नागरिक–प्रमाणित ग्लास कॉकपिट और बेहतर स्थितिजन्य जागरूकता के लिए एक आधुनिक एवियोनिक्स

सूट मौजूद है। इसमें उन्नत कंपन नियंत्रण प्रणाली लगी है जो एक सुगम यात्रा सुनिश्चित करती है, और इसे वीआईपी और चिकित्सा परिवहन के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। एचएएल के अनुसार, ध्रुव–एनजी का अधिकतम टेक–ऑफ वजन 5,500 किलोग्राम है और यह 285 किमी/घंटा की अधिकतम गति तक पहुँचता है। इसमें अधिकतम 14 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। ध्रुव सिविल नेशनल हेलीकॉप्टर आयातित हल्के दो इंजन वाले हेलीकॉप्टरों का एक किफायती और उच्च प्रदर्शन वाला विकल्प है। एचएएल विनिर्माण, रखरखाव और उन्नयन के लिए "वन–स्टॉप सॉल्यूशन" प्रदान करता है। पावर–बाय–ऑवर (पीबीएच) और परफॉर्मेंस–बेस्ड लॉजिस्टिक्स (पीबीएल) सहित एकीकृत लॉजिस्टिक्स मॉडल के माध्यम से परिचालन सहायता प्रदान की जाती है, जिससे बेड़े की उच्च सेवाक्षमता सुनिश्चित होती है।

पीएम–युवा 3.0 के नतीजे घोषित, 22 भाषाओं में 43 युवा लेखक चुने गए

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

प्रधानमंत्री की युवा लेखकों के मार्गदर्शन से जुड़ी योजना पीएम–युवा 3.0 के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा शिक्षा मंत्रालय के तहत लागू की जा रही है। इसका उद्देश्य युवा लेखकों को लेखन और विचारों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस संस्करण में 30 वर्ष से कम उम्र के 43 युवा लेखकों के पुस्तक प्रस्तावों का चयन किया गया है। ये चयन 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में हुए हैं, जिनमें असमिया, बांग्ला, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, मैथिली, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संताली, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू शामिल हैं। यह व्यापक भाषाई भागीदारी देश में समावेशी साहित्यिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य को और मजबूत करती है। चयनित 43 लेखकों में 19 महिलाएं और 24 पुरुष हैं।

इन चयनित लेखकों की पांडुलिपियों को छह महीने तक प्रतिष्ठित विद्वानों के मार्गदर्शन में पुस्तक के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रत्येक लेखक को इस अवधि में 50 हजार रुपये प्रति माह की छात्रवृत्ति दी जाएगी और प्रकाशित पुस्तक पर जीवनभर 10 प्रतिशत रॉयल्टी भी मिलेगी।

पीएम–युवा 3.0 के लिए विषयों में भारतीय प्रवासी समुदाय का राष्ट्र निर्माण में योगदान, भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक भारत के निर्माता (1950.2025) शामिल हैं। चयनित पुस्तकें नॉन–फिक्शन होंगी, जो इतिहास, संस्कृति, विज्ञान, दर्शन, शासन, सामाजिक सुधार और भारत की वैश्विक भूमिका जैसे विषयों को समेटेंगी।

चयनित लेखकों का एक राष्ट्रीय शिविर जनवरी 2026 में होने वाले नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला के दौरान आयोजित किया जाएगा। पीएम–युवा 3.0 के तहत तैयार की गई पुस्तकों का पहला सेट अगले वर्ष प्रकाशित किया जाएगा। इसका उद्देश्य भारतीय साहित्य और विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली नई पीढ़ी के लेखकों को तैयार करना है।

'जल सेवा आकलन' का शुभारंभ, ग्राम पंचायतें खुद कर सकेंगी पेयजल सेवाओं का मूल्यांकन

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने मंगलवार को देश के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सेवाओं की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थायित्व का नियमित आकलन करने के लिए ग्राम पंचायत आधारित डिजिटल टूल जल सेवा आकलन को ई–लॉन्च किया।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार जल सेवा आकलन ग्राम पंचायतों और गांव की संस्थाओं को अपने जल आपूर्ति तंत्र की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थायित्व का स्वयं मूल्यांकन करने की शक्ति देगा। इससे गांव बाहरी और महंगे सर्वेक्षणों पर निर्भर रहने के बजाय सामूहिक रूप से अपनी पेयजल सेवाओं की स्थिति पर विचार कर सकेंगे।

कार्यक्रम में जल शक्ति राज्यमंत्री श्री वी सोमन्ना और राज भूषण चौधरी, विभागीय सचिव अशोक केके मीना, मिशन निदेशक कमल किशोर सोअन सहित वरिष्ठ अधिकारी, राज्यों के प्रतिनिधि, पंचायत सचिव, सरपंच और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य मौजूद रहे। लगभग 10,000 हर घर जल ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

पाटिल ने कहा कि जल जीवन मिशन केवल परिसंपत्तियों के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि हर ग्रामीण परिवार को भरोसेमंद पेयजल सेवाएं सतत रूप से उपलब्ध कराना

इसका लक्ष्य है। उन्होंने मिशन के चार स्तंभ राजनीतिक इच्छाशक्ति, जनभागीदारी, हितधारक सहयोग और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग गिनाते हुए कहा कि इनमें सबसे अहम जनभागीदारी है।

मंत्रालय ने बताया कि जल सेवा आकलन प्रक्रिया ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, पंचायत सचिव, सिस्टम ऑपरेटर और जल उपभोक्ताओं के साथ चर्चा से शुरू होगी। इसके बाद निष्कर्ष ग्राम सभा में रखे जाएंगे और वहां से अनुमोदन के बाद डिजिटल रूप से जल जीवन मिशन पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। यह डेटा राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होगा और नागरिकों को 30 दिन का फीडबैक देने का अवसर मिलेगा। इसके तहत सभी हर घर जल ग्राम पंचायतों को 26 जनवरी 2026 तक जल सेवा आकलन पूरा करना आवश्यक होगा।

पलक झपकते ही कैसे बीत गया 2025? यह आपका वहम नहीं, इसके पीछे है दिमाग का साइंस

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

क्या आपको भी ऐसा महसूस होता है कि समय जैसे उड़ता जा रहा है? अभी तो 2025 की शुरुआत हुई थी और देखते ही देखते 2026 आ गया। हर साल यही लगता है कि नया साल आया और पलक झपकते ही खत्म भी हो गया। तो आपको बता दें कि यह सिर्फ आपका भ्रम नहीं है, बल्कि इसके पीछे दिमाग से जुड़ा वैज्ञानिक कारण है। दरअसल, हमारा दिमाग समय को घड़ी की तरह नहीं, बल्कि यादों और अनुभवों के आधार पर मापता है। आइए समझें क्यों ऐसा महसूस होता है और इसके पीछे का साइंस क्या है।

एक्सपर्ट बताते हैं कि जब हमारी जिंदगी एक तय रूटीन में चलती है, तो दिमाग के लिए नए अनुभव कम हो जाते हैं। ऐसे में दिमाग के पास समय को मापने के लिए ज्यादा यादें नहीं होतीं और हमें लगता है कि समय बहुत तेजी से निकल गया।

बचपन में समय धीमा लगता था, क्योंकि हर दिन नया होता था नए दोस्त, नई जगहें, नए अनुभव। लेकिन जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, जिंदगी ज्यादा प्रेडिक्टेबल हो जाती है। ऑफिस, घर, वही रास्ते, वही काम। दिमाग इन रिपीट किए गए पैटर्न को जल्दी प्रोसेस कर लेता है, जिससे साल छोटे लगने लगते हैं।

रिसर्च बताती है कि प्रकृति के बीच समय बिताने से समय धीमा महसूस होता है। एक अध्ययन में छात्रों को दो समूहों में बांटा गया, एक को शहर में और दूसरे को गांव या खुले प्राकृतिक इलाकों में चलने के लिए कहा गया। शहर में चलने वालों को समय तेजी से बीता महसूस हुआ, जबकि प्रकृति के बीच घूमने वालों को लगा कि समय धीरे चल रहा है। वजह यह है कि प्राकृतिक माहौल में दिमाग

ज्यादा एक्टिव रहता है और हर चीज को गहराई से महसूस करता है।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि माइंडफुलनेस समय को धीमा करने में मदद करता है। माइंडफुलनेस यानी इस पल में पूरी तरह मौजूद रहना। जैसे– कॉफी पीते वक्त सिर्फ फोन स्क्रॉल करने के बजाय उसकी खुशबू और स्वाद पर ध्यान देना, या काम शुरू करने से पहले कुछ गहरी सांसें लेना। इससे दिमाग में उस पल की साफ याद बनती है और समय ज्यादा मीनिंगफुल लगता है।

एक जैसा रूटीन समय को तेज कर देता है। लेकिन अच्छी बात यह है कि इसके लिए बड़े बदलाव जरूरी नहीं। नई प्लेलिस्ट सुनना, ऑफिस जाने का रास्ता बदलना, या दिन की शुरुआत किसी नए तरीके से करना, ये छोटे–छोटे बदलाव दिमाग को नए पन का एहसास देते हैं और समय को धीमा महसूस कराते हैं।

डायरी लिखना, पुरानी तस्वीरें देखना या अपनों के साथ बीती बातें शेयर करना भी समय की अनुभूति को बेहतर बनाता है। जब हम यादों को दोहराते हैं, तो दिमाग उन पलों को दोबारा जीता है, जिससे बीता हुआ समय भी ज्यादा लंबा लगता है।

सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट को लेकर चेतावनी, सरकार ने एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

केंद्र सरकार ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को आगाह किया कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शोषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी ने ये एडवाइजरी सोमवार को जारी की थी।

मीडिया खबरों के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2025 को जारी परामर्श में सोशल मीडिया कंपनियों से अपने अनुपालन ढांचे की तत्काल समीक्षा करने और अपने मंच पर अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें देश के कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। ये प्रावधान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने की मांग करते हैं।

इसमें यह ध्यान रखने को कहा गया है कि यूजर ऐसी कोई भी जानकारी और कंटेंट होस्ट, डिस्प्ले, अपलोड, मॉडिफाई, पब्लिश, ट्रांसमिट, स्टोर, अपडेट या शेयर न करें जो अश्लील, पोर्नोग्राफिक, बच्चों के यौन शोषण से संबंधित, बच्चों के लिए हानिकारक, या गैर–कानूनी हो।